वर्ष :: 34 अंक : 39
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 30 जून, 2024 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका
अवश्य पढ़ें-

निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

झाई जून... पिछले 6 वर्षों में इस बार बोकारो में सबसे कम मात्र 66.8 मिमी हुई बारिश

जलवायु परिवर्तन ने बिगाड़ा मौसम का समीकरण

- विजय कुमार झा -

बोकारो : मौसम की बेरुखी इस साल सबसे ज्यादा देखी जा रही है। एक तरफ जहां पूरे मई-जून में गर्मी अपने परवान पर रही, वहीं मानसून भी अब दगा देने लगा है। इस साल झारखंड में 60 फीसदी कम बारिश हुई और बोकारो के लिए तो यह महीना एक प्रकार से सुखाड़ का ही रहा। मौसम विभाग के आंकड़े बताते हैं कि पिछले छह वर्षों में यहां इस साल सबसे कम बारिश दर्ज की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2019 के जून महीने में 93.1 तथा 2020 में 198 मिलीमीटर बारिश हुई थी। 2021 में विगत 6 वर्षों में बारिश की स्थिति सबसे बेहतर रही। उस साल जून महीने में जिले में कुल 294 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई थी। उसके बाद 2022 में फिर गिरावट आई जब बारिश का आंकड़ा 130.8 मिलीमीटर दर्ज किया गया। बीते वर्ष 2023 में भी स्थिति अच्छी नहीं रही। 88.2 मिलीमीटर बारिश हुई थी। जबकि इस साल 2024 के 1 जून से लेकर 30 जून तक की अवधि में मात्र 66.5 मिलीमीटर ही बारिश दर्ज की गई है।

गर्मी ने भी इस साल तोड़ा पिछले पांच वर्षों का रिकॉर्ड

गौरतलब है कि जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम ने इस बार ऐसी करवट ली है कि बारिश ही नहीं, गर्मी का तरीका भी बदल चुका है। पिछले पांच वर्षों में बोकारो जिले में इस साल मई-जून का महीना अब तक सबसे अधिक गर्म दर्ज किया गया। वर्ष 2020 से लेकर 2023 तक मई-जून महीने में अधिकतम तापमान 43.1 के ऊपर नहीं गया। लेकिन, इस साल जून में बोकारो का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से भी पार चला गया था।

सामान्य से 60 मिमी कम हुई वर्षा

मौसम विज्ञान केंद्र, रांची की ओर से जारी वेदर बुलेटिन के अनुसार बोकारो में जून का यह आंकड़ा सामान्य वर्षापात 166.6 मिलीमीटर से 60 मिलीमीटर कम रिकॉर्ड किया गया। बोकारो में इस बार जून महीने में 2 तारीख को 13.2 मिमी, 6 को 8.2 मिमी, 7 जून को 2 मिमी, 17 जून को 1.8 मिमी, 19 जून को 0.6 मिमी, 20 जून को 3.4 मिमी, 21 जून को 1.0 मिमी, 23 जून को 2.4 मिमी, 26 जून को 2.2 मिमी और 28 जून को 4.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। बहरहाल, राहत की बूंदें नहीं बरसने से उमस भरी गर्मी झेलने को लगातार विवश हैं। वैसे मौसम विभाग ने आनेवाले दिनों में बोकारो सहित पूरे झारखंड में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना जताई है। मौसम विज्ञान केन्द्र, रांची के निदेशक अभिषेक आनंद ने 'मिथिला वर्णन' को बताया कि मानसून जून में देर से अब आने लगा है और 1 से 15 अक्टूबर तक रहता है। उन्होंने बताया कि पिछले 10 वर्षों के मॉनसून को पैटर्न को देखें तो सिर्फ दो साल मॉनसून ने 15 जून के आसपास झारखंड में प्रवेश किया है, जबकि बाकी आठ सालों में यह जून के आखिरी सप्ताह में प्रवेश किया है। झारखंड में आमतौर पर मॉनसून जुलाई के महीने में तेजी पकड़ता है। उन्होंने कहा कि इस बार भी मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक शुरूआत में मॉनसून कमजोर रहेगा। उसके बाद जुलाई से यह तेजी पकड़ेगा और अक्टूबर तक बारिश होगी।

किसान भी तरसे अच्छी बारिश को, बदलना होगा धनरोपनी का तरीका

झारखंड में इस बार कम बारिश के कारण किसान भी काफी चिंतित हैं। वे अच्छी बारिश को तरस गए हैं। धान की बुआई वे कैसे करें, समझ नहीं आ रहा। 30 जून से पहले धान की बुआई करने का समय ठीक माना जाता है, लेकिन पिछले कुछ सालों से ऐसा होता नहीं दिख रहा। अभिषेक आनंद का कहना है कि जिन किसानों के पास सिंचाई की सुविधा है, वे डीएसआर विधि से धान की बुआई कर सकते हैं, पर जिस तरीके से लगातार दो साल से मॉनसून की स्थिति रही है, इस बार किसानों के पास सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध नहीं है। किसानों को अब इसके मुताबिक धनरोपनी के पैटर्न में बदलाव करना होगा।

एक्सपर्ट- व्यू

अभिषेक आनंद, निदेशक
मौसम विज्ञान केन्द्र, रांची

क्लाइमेट चेंज ने बदल दिया मानसून का पैटर्न

मौसम विज्ञान केन्द्र, रांची के निदेशक अभिषेक आनंद ने एक खास बातचीत में बताया कि दरअसल, मानसून इस बार मुख्यतः विलंब से आया है। इस बार बोकारो सहित पूरे झारखंड में बारिश कम होने तथा मानसून में देरी का कारण क्लाइमेट चेंज (जलवायु परिवर्तन) है। इसके कारण मानसून का पैटर्न बदल गया है। लगातार बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन का ही दुष्परिणाम है कि मौसम का मिजाज लगातार बदलता जा रहा है और हम प्रकृति का कोपभाजन बन रहे हैं। ग्लोबल फैक्टर के साथ-साथ लोकल फैक्टर भी इसमें बढ़ोतरी का कारण बन रहे हैं।

सियासत

जेल से निकलते ही गरजे पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, साजिश का लगाया आरोप और किया दावा-

झारखंड में भाजपा का खत्म हो जाएगा नामो-निशान

विशेष संवाददाता

रांची : पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जेल से बाहर निकल गए और इसके साथ ही राजनीतिक सरगर्मी भी बढ़ गई है। जेल से बाहर निकलने के बाद शनिवार को हेमंत ने कांके स्थित आवास में जेएमएम कार्यकताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि झारखंड में एक बार फिर झारखंडियों की सरकार बनेगी। राज्य में निर्धारित समय से पहले विधानसभा चुनाव कराने की तैयारी चल रही है, लेकिन हम हमेशा और हर परिस्थिति में तैयार हैं। इस बार राज्य से भाजपा का सफाया कर दिया जायेगा। पार्टी ने संकल्प लिया है कि मनुवादी सामंती सोच को जवाब देंगे। लोकसभा में जवाब मिला है। आगे भी विधानसभा चुनाव में ऐसे लोगों को जवाब दिया जायेगा। वह वक्त भी आने वाला है, जब दीया लेकर ढूंढ़ने से भी उनका नामोनिशान नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा- उनकी समय से पहले झारखंड विधानसभा चुनाव कराने की तैयारी चल रही है लेकिन मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि यदि वो कल चुनाव कराते हैं तो परसों उनका सफाया हो जायेगा। इस राज्य में झारखंडी का ही शासन रहेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के खिलाफ कोई भी खड़ा न हो पाये, इसकी जुगत भिड़ाई जा रही है। इसी का परिणाम है कि आज दिल्ली के मुख्यमंत्री जेल में बंद हैं।

श्री सोरेन ने कहा - मुझे सुनियोजित तरीके से षड्यंत्र में फंसाकर पांच महीने तक जेल में रखा गया। झारखंड गरीब-गुरबा राज है। हमें समझने में थोड़ा वक्त लगता है। इसीलिए मुझे पांच महीने जेल में रहना पड़ा। उन्होंने कहा कि न्यायालय ने मुझे बाहर निकाला और हमें न्याय मिला। इस पांच महीने में राज्य शायद और आगे बढ़ सकता था। उन्होंने कहा कि उनको हमसे डर है। उन्होंने पूर्वजों के सपने पूरे करने की भी बात कही।

इधर, हेमंत पर हिमंता का पलटवार कहा-

विस चुनाव तय करेगा झारखंड की दशा-दिशा

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने एक दिवसीय दौरे के क्रम में हेमंत सोरेन की जमानत पर कहा कि हर दिन कई लोग जेल जाते हैं और हर दिन कई लोगों को जमानत मिलती है। इसका अकाउंटिंग करना भाजपा का काम नहीं है। यहां तो भ्रष्टाचार चरम पर है। आपराधिक घटनाएं बढ़ीं हैं। हिमंता ने कहा कि झारखंड में हुए लोकसभा चुनाव में लोगों ने भाजपा के पक्ष में वोट देकर बताया कि वह यहां की सरकार से खुश नहीं है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव झारखंड की दशा और दिशा तय करेगा। झारखंड निर्णायक मोड़ पर है। राज्य की जनता लूट, भ्रष्टाचार और वादाखिलाफी से निजात चाहती है। जनता सुशासन और विकास के लिए समय का इंतजार कर रही है। राज्य सरकार आरोपों से घिरी है। समाज का हर वर्ग इस निकम्मी और भ्रष्ट सरकार से ऊब चुका है। हमें इनकी एक-एक नाकामियों को उजागर करते हुए आरोप पत्र तैयार करने के लिए आवश्यक सुझाव दिये। हिमंता ने प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में आयोजित घोषणा पत्र समिति, आरोप पत्र समिति, टॉकिंग पॉइंट्स समिति की संयुक्त बैठक के अलावा युवा मोर्चा और महिला मोर्चा की संयुक्त बैठक को संबोधित किया। मौके पर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी भी मौजूद रहे।

- संपादकीय -

अब सरल, सहज व सुलभ न्याय

भारत में नए आपराधिक कानून 2024 के कई मायने हैं। सबसे अहम तो यह है अब मुकदमे में फंसे लोगों को कम से कम तारीख पर तारीख वाली व्यवस्था से निजात मिल जाएगी। सरल, सहज और सुलभ न्याय दिलाने की यह पहल वास्तव में अनुकरणीय है। हालांकि, विरोधी इस पर भी सियासत से बाज नहीं आ रहे, लेकिन जो वास्तविकता है, वह एक अच्छी न्यायिक प्रणाली सुनिश्चित करना ही है। खास बात यह है कि अंग्रेजों के जमाने की भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और साक्ष्य अधिनियम नए कानून में समाप्त हो गए हैं। इनकी जगह भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ने ले ली है। गौरतलब है कि इन कानूनों से जुड़े विधेयक को बीते साल संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा से पास करवाया गया था। इस कानून के लागू होने के बाद से कई धाराएं और सजा के प्रावधान आदि में बदलाव आया है। इसकी विशेषताओं पर गौर करें तो 'जीरो एफआईआर' से अब कोई भी व्यक्ति किसी भी पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज करा सकता है, भले ही अपराध उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं हुआ हो। नये कानूनों के तहत आपराधिक मामलों में फैसला मुकदमा पूरा होने के 45 दिन के भीतर आएगा और पहली सुनवाई के 60 दिन के भीतर आरोप तय किए जाएंगे। दुष्कर्म पीड़िताओं का बयान कोई महिला पुलिस अधिकारी उसके अभिभावक या रिश्तेदार की मौजूदगी में दर्ज करेगी और मेडिकल रिपोर्ट सात दिन के भीतर देनी होगी। इसके अलावा मॉब लिंचिंग के मामले में फांसी की सजा का प्रावधान किया गया है। वहीं, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों पर एक नया अध्याय जोड़ा गया है, किसी बच्चे को खरीदना और बेचना जघन्य अपराध बनाया गया है और किसी नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के लिए मृत्युदंड या उम्रकैद का प्रावधान जोड़ा गया है। बहरहाल, अब कानून लागू करने वाली एजेंसियों, न्यायिक अधिकारियों और कानूनी पेशेवरों के लिए आगे बड़ी चुनौतियां हैं। ये कानून बड़ी संख्या में नागरिकों को उनके जीवन में किसी न किसी समय प्रभावित करेंगे। कई कानूनी जानकारों की ये भी दलील है कि नए आपराधिक कानूनों में, कानून प्रवर्तन एजेंसियों को बिना किसी नियंत्रण और संतुलन के निरंकुश शक्तियां दी गई हैं जिससे खतरा भी हो सकता है। इधर, नए आपराधिक कानून के लागू होने से पहले बंगाल की सीएम ममता बनर्जी समेत कई नेताओं ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर इसे रोकने की मांग की थी। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल इस कानून का विरोध कर रहे हैं। विपक्षी दलों का कहना है कि इस कानून को बिना किसी व्यापक चर्चा के लागू किया गया है। विपक्ष ने मांग की है कि संसद नए आपराधिक कानूनों की फिर से जांच करे, उनका दावा है कि ये देश को पुलिस राज्य में बदलने की नींव रखते हैं। लेकिन, विरोधियों का शायद समझने की जरूरत है कि यह नए भारत की अपनी नई कानून व्यवस्था है, जो न्यायप्रिय मानी जा रही है। आशा है कि ये तीनों कानून लागू हो जाने से देश की कानून-व्यवस्था कहीं अधिक सुचारू रूप से संचालित होगी। विगत वर्षों में शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र छूटा है, जहां आपराधिक प्रवृत्ति ने जन्म न लिया हो। शर्मनाक घटनाओं का समाचार तो अब मानो स्थायी ही हो गया है। सरकारी दफ्तरों और विभागों में भ्रष्टाचार के साथ-साथ आर्थिक घोटालों की बाढ़-सी आ गई है। ऐसे में, नई न्याय संहिता निश्चय ही अपराधों पर अंकुश लगाने में सहायक सिद्ध होगी। वैसे भी, ब्रिटिशकालीन कई कानूनों की वैसे भी अब प्रासंगिकता बची नहीं थी। उनको छोड़कर आगे बढ़ना ही उचित था, सो किया गया। नए कानूनों का उद्देश्य आधुनिक न्याय व्यवस्था को लागू करना है। इसे मजबूत और शक्तिशाली बनाना है। न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में भी इस कदर परिवर्तन किए गए हैं कि वे कानून व्यवस्था को न्यायप्रिय बनाने में मददगार साबित होंगे।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

हूल - आजादी का प्रथम संघर्ष

30 जून- हूल क्रान्ति दिवस पर विशेष

हूल क्रान्ति दिवस प्रत्येक वर्ष 30 जून को मनाया जाता है। भारतीय इतिहास में स्वाधीनता संग्राम की पहली लड़ाई से पहले संताल हूल के कारण अंग्रेजों को भारी क्षति उठानी पड़ी थी। सिद्धो तथा कान्हो दो भाइयों के नेतृत्व में 30 जून 1855 को साहेबगंज जिले के भगनाडीह गांव से प्रारंभ हुए इस विद्रोह के मौके पर सिद्धो ने घोषणा की थी- करो या मरो, अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो। इतिहासकारों के अनुसार संताल परगना के लोग प्रारंभ से ही वनवासी स्वभाव के तथा प्रकृति प्रेमी और सरल रहें हैं। इसका जमींदारों और बाद में अंग्रेजों ने खूब लाभ उठाया। इतिहासकारों का कहना है कि इस क्षेत्र में अंग्रेजों ने राजस्व के लिए संथाल, पहाड़ियों तथा अन्य निवासियों पर मालगुजारी लगा दी थी। इसके बाद न केवल यहां के लोगों का शोषण होने लगा बल्कि उन्हें मालगुजारी भी देनी पड़ रही थी। जिस कारण यहां के लोगों में विद्रोह पनप रहा था।

शोषकों व अंग्रेजों के खिलाफ जंग का ऐलान

जानकारों के अनुसार हूल विद्रोह भले ही संताल हूल हो, परंतु संताल परगना के समस्त गरीबों और शोषितों द्वारा शोषकों अंग्रेजों एवं उसके कर्मचारियों के विरुद्ध स्वतंत्रता आंदोलन था। इस जन आंदोलन के नायक भगनाडीह निवासी भूमिहीन किंतु ग्राम प्रधान चुन्नी मांडी के चार पुत्र सिद्धो, कान्हो, चांद और भैरव थे। इन चारों भाइयों ने लगातार लोगों के असंतोष को एक आंदोलन का रूप दिया। उस समय संतालों को बताया गया कि सिद्धो को स्वप्न में बोंगा ने बताया है कि जमीदार, महाजन, पुलिस, राजदेन आमला को गुजुकमाड़ का नाश हो। इस संदेश को डुगडुगी पिटवाकर स्थानीय मोहल्लों तथा गांवों तक पहुंचाया गया। इस दौरान लोगों ने साल वृक्ष की टहनी को लेकर गांव-गांव की यात्राएं की और लोगों में नयी चेतना जगाई।

ऐसे हुआ सूत्रपात

आंदोलन को कार्यरूप देने के लिए परंपरागत शस्त्रों से लैस होकर 30 जून 1855 को 400 गांवों के लगभग 50000 आदिवासी लोग भगनाडीह पहुंचे और आंदोलन का सूत्रपात हुआ। इसी सभा में यह घोषणा कर दी गयी कि वे अब मालगुजारी नहीं देंगे। इसके बाद अंग्रेजों ने सिद्धो, कान्हो, चांद तथा भैरव चारों भाइयों को गिरफ़्तार करने का आदेश दिया, परंतु जिस पुलिस दरोगा को वहां भेजा गया था, संतालियों ने उसकी गर्दन काटकर हत्या कर दी। इस दौरान सरकारी अधिकारियों में भी इस आंदोलन को लेकर भय प्राप्त हो गया था। भागलपुर की सुरक्षा कड़ी कर दी गयी थी। इस क्रांति के संदेश के कारण संताल में अंग्रेजों का शासन लगभग समाप्त हो गया था। अंग्रेजों द्वारा इस आंदोलन को दबाने के लिए इस क्षेत्र में सेना भेज दी गयी और जमकर आदिवासियों की गिरफ़्तारियाँ की गयी और विद्रोहियों पर गोलियां बरसने लगीं। आंदोलनकारियों को नियंत्रित करने के लिए मार्शल लॉ लगा दिया गया। आंदोलनकारियों की गिरफ़्तारी के लिए अंग्रेज सरकार द्वारा पुरस्कारों की भी घोषणा की गयी। बहराइच में अंग्रेजों और आंदोलनकारियों की लड़ाई में चांद और भैरव शहीद हो गए। प्रसिद्ध अंग्रेज इतिहासकार हंटर ने अपनी पुस्तक एनल्स आफ रूलर बंगाल में लिखा है कि संथालों को आत्मसमर्पण की जानकारी नहीं थी, जिस कारण डुगडुगी बजती रही और लोग लड़ते रहे।

आंदोलन का विस्तार

जुलाई 1855 में सतालों ने जब विद्रोह का बिगुल बजाया तो शुरूआत में यह आन्दोलन सरकार विरोधी आन्दोलन नहीं था पर जब संतालों ने देखा कि सरकार भी जमींदारों और महाजनों का पक्ष ले रही है तो उनका क्रोध सरकार पर भी टूट पड़ा। संतालों ने अत्याचारी दरोगा महेश लाल को मार डाला। बाजार दुकान सब नष्ट कर दिए और थानों में आग लगा दी। कई सरकारी कार्यालयों, कर्मचारियों और महाजनों पर संतालों ने आक्रमण किया। इसके चलते कई बेकसूर भी मारे गए। भागलपुर और राजमहल के बीच रेल, डाक, तार सेवा आदि सेवा भंग कर दी गई। संतालों ने अंग्रेजी शासन को समाप्त करने की शपथ ले ली थी। सताल विद्रोह के आलावा हजारीबाग, बांकुड़ा, पूर्णिया, भागलपुर, मुंगेर आदि जगहों में आग की तरह फैल रही थी।

संथाल विद्रोह का दमन

ब्रिटिश सरकार संताल की आक्रमकता देखकर अन्दर से हिल चुकी थी। सरकार ने इस इस हिंसक कार्रवाई को सख्ती से दबाने का ऐलान किया। बिहार के भागलपुर और पूर्णिया से सरकार के द्वारा घोषणापत्र जारी किया गया कि अब संताल के विद्रोह को जल्द से जल्द कुचल दिया जाए। कलकत्ता केजार बर्रों और पूर्णिया से सेना की एक टुकड़ी संतालों का दमन करने के लिए भेजी गई। संताल के पास अधिक शक्ति नहीं थी और पर्याप्त शस्त्र-अस्त्र भी नहीं थे। मात्र तीर और धनुष से वे कितने दिन टिकते। फिर भी उन्होंने इस दमन का जवाब बहुत बहादुरी से दिया। अंततः कई संतालों को गिरफ्तार कर लिया गया और 15 हजार से अधिक संताल सैनिकों द्वारा मार गिराए गए। संथाल के नेता भी गिरफ्तार कर लिए गए और मारे गए।अपने नेता की गिरफ्तारी से संतालों का मनोबल टूट गया और फरवरी 1856 तक संथाल विद्रोह समाप्त हो गया।

- प्रस्तुति : आरके झा

हे कलियुग! नमन तुमको

कटाक्ष

- आचार्य धीरेन्द्र झा 'माणिक्य'

सतयुग, त्रेता और द्वापर के बीत जाने के बाद वर्तमान समय जो कलियुग नामधारी है, बड़ा ही अद्भुत, चमत्कारी और नित्य नए कीर्तिमानों का गतिशील पथ-प्रदर्शक है। यह अपने अन्दर भूत के तीनों कालों के दुगुर्णों को चासनी बनाकर उदरस्थ करने के बाद अवतरित हुआ है, जिससे इसकी कुप्रवृत्ति दिन दूनी, रात चौगुनी बढ़ती रहती है। रुकने, ठहरने की इसकी प्रवृत्ति ही नहीं है। कीर्तिमान बनने, टूटने और शिखर की ओर बढ़ने की गति विद्युत गति से भी तेज है। इसके अनुयायी कुप्रवृत्ति, दुराचारी, भ्रष्टाचारी, बलात्कारी, अशिष्ट आदि उपमाओं को बड़े ही गर्व से अपने मस्तक पर ताज की तरह सजाए शोभित होते हैं। अगर कहीं कुछ अच्छा होता दिख जाए तो ये सर्पदंश से सद्यः ग्रसित प्राणी की भांति तिलमिला उठते हैं और अपनी सारी पूर्व जन्मार्जित आसुरी शक्ति का प्रयोग कर उचित को अनुचित करने की कुचेष्टा में लीन होकर अपने जन्मसिद्ध अधिकार को सार्थकता प्रदान करने के लिए व्याकुल हो जाते हैं।

कलियुग की छाया में पला प्राणी उसके गुणों से सम्मोहित नहीं हो यह हो ही नहीं सकता और यदि असर में कोई कमी रह गई तो वह अपने झुण्ड से बिछड़कर अन्य जीवों के झुण्ड में शामिल अजनबी की तरह कौतूहल का केंद्र बन जाता है। उपहास, निंदा और तिरस्कार उसके पीछे नहा धोकर पड़ जाते हैं। शर्म, मान, निष्ठा पैरों में बेड़ी की तरह उसके कदमों को बांध देती है और चलना भी चाहे तो रस्सी खींचकर गिरा देती है और वह भेड़ियों के झुण्ड में असहाय मेमने सा टुकुर-टुकुर देखता भर रह जाता है।

कलियुग के वरद पुत्र निर्भीक, लंपट, उद्दंड, उच्छृंखल, स्वछन्द विचरने वाले सांड के मानिंद अपना परिचय अपने साथ लेकर चलते हैं। स्थान, परिस्थिति, गली, मुहल्ला, सभा, सदन उनके लिए कोई मायने नहीं रखता। वे अपना हुनर छिपाते नहीं, बल्कि बड़े ही गर्व से सोत्साह उसका प्रदर्शन करते हैं। उनकी सबसे बड़ी खासियत में यह शुमार है कि वो सामने वाले को अपनी जैसी प्रवृत्ति में बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं और उन्हें ज्ञान, मर्यादा, शिष्टाचार का उपदेश संतों की तरह देने में तनिक भी संकोच नहीं करते। कलियुग अपने इन्हीं वरल पुत्रों के गुणों के अश्वमेधी अश्व के रथ पर सवार होकर अपने होने की सार्थकता को सिद्ध करते हुए शिखर की ओर अग्रसर है।

विरासत की कब्र पर विकास की इमारत !

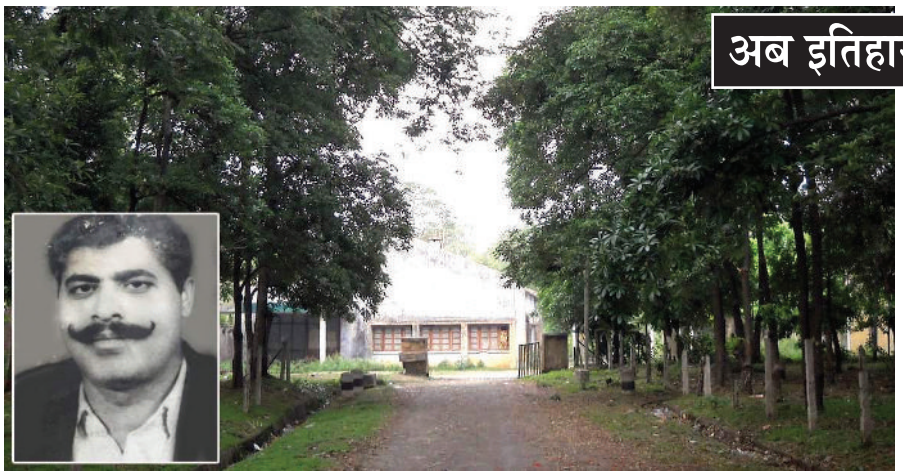

अब इतिहास रह जाएगा एलोरा हॉस्टल, 63 साल पुरानी थी धरोहर

स्व. रामस्वरूप सिंह ने 1961 में किया था नामकरण

डीके वत्स

बोकारो : चारों तरफ लहलहाते पेड़-पौधे। 100 कमरों की अपनी कॉलोनी, अपनी सड़क और उन सड़कों पर खेलते बच्चे। कमरों के बाहर बरामदे पर महिलाओं का जुटान, बुजुर्गों की बैठक और बच्चों की धमा-चौकड़ी अब कभी नहीं होगी। हम बात कर रहे हैं बोकारो में हरियाली के बीच सुंदर आशियाने की ऐतिहासिक विरासत एलोरा हॉस्टल की। आज से लगभग डेढ़ दशक पूर्व एलोरा हॉस्टल की यही स्थिति थी। हालांकि, धीरे-धीरे मरम्मत के अभाव में यह लघु आवासीय कॉलोनी जर्जर होती चली गई और बीएसएल इसे अपने नक्शे से भी हटा दिया। देखरेख के बिना यहां के कमरे रहने लायक नहीं बचे थे। जो हालत थी, वह खतरनाक सी हो चली थी। लोगों ने इसके जीर्णोद्धार की मांग तो खूब की, लेकिन उस पर कुछ नहीं हुआ। अब विकासरूपी इमारत 63 साल पुरानी इस धरोहर के कब्रिस्तान पर तैयार होने जा रही है। हवाई अड्डा विस्तारीकरण के नाम पर इसे तोड़कर हटाने का फैसला बहुत पहले ही ले लिया गया था, जिस पर अब अमल शुरू भी हो चुका है। एलोरा हॉस्टल को जमींदोज करने का काम शुरू हो चुका है। बुलडोजर लगाकर इसके सभी कमरों और सामने के हॉल को भी ध्वस्त कर समतलीकरण करने की शुरूआत हो चुकी है। और, इसके साथ ही इसका अस्तित्व समाप्त हो जाएगा और अब यह बस एक इतिहास बनकर रह जाएगा।

प्लांट-निर्माण से पहले हुआ था निर्माण

जानकार बताते हैं कि वर्ष 1961 में इसकी शुरूआत की गई थी। 1966 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बोकारो स्टील प्लांट का आधारशिला रखी थी। इसके पहले प्लांट निर्माण के लिए रूस से आए इंजीनियरों के रहने के लिए एलोरा हॉस्टल का निर्माण किया गया। पहले 50 कमरे बने उसके बाद दूसरे चरण में और 50 कमरों का निर्माण किया गया। परिसर में भव्य हॉल बनाकर उसमें होटल का संचालन शुरू हुआ, जिसका जिम्मा बोकारो के प्रसिद्ध व्यवसायी एवं समाजसेवी रहे स्व. रामस्वरूप सिंह को मिला था। स्व. सिंह के पुत्र व्यवसायी अतीन्द्र सिंह एवं पौत्र युवा समाजसेवी अंकित सिंह ने बताया कि एलोरा हॉस्टल का नामकरण स्व. रामस्वरूप सिंह ने किया था। हॉल में होटल का संचालन और कमरों के प्रबंधन का जिम्मा उन्हें ही मिला था। वह जबतक रहे, इसका संचालन उन्हीं के द्वारा किया जाता रहा। बताया जाता है कि बोकारो के दो प्रसिद्ध व्यावसायिक प्रतिष्ठान निरोला और फ्लोरा भी स्व. सिंह की ही देन थी। एलोरा, निरोला और फ्लोरा का नाम उन्होंने ही रखा था।

कालांतर में बदल गई रख-रखाव की व्यवस्था

कालांतर में एलोरा हॉस्टल के रख-रखाव की व्यवस्था बदल गई और होटल बंद हो गया। बाद में बीएसएल प्रबंधन द्वारा इसमें कुछ पत्रकारों को आवास आवंटित किया गया। बीआरएल के कर्मी भी रहने लगे, एचएससीएल के सेवानिवृत्त कर्मियों का भी यह बसेरा बना और कुछ लोगों ने धीरे-धीरे इसके कमरों पर अपना कब्जा भी जमा लिया। जब आवास रहने लायक नहीं रहे, तो वहां वैध तरीके से रहनेवाले लोगों को अन्यत्र आवास आवंटित कर दिया गया। उसके बाद पुलिसकर्मियों और होमगार्ड के जवानों के कब्जे में यहां के आवास आ गए। कुछ दलालों ने तो इस पर कब्जा कर वर्षों तक खूब भाड़े भी वसूले। यहां के हॉल के खिड़की दरवाजे, परिसर में लगे लोहे के गेट चोरों ने गायब कर दिए और आवास जर्जर से बदतर होते चले गए। इसके बावजूद काफी संख्या में लोग यहां रह रहे हैं।

अब भी आस... तोड़ने की बजाय जीर्णोद्धार की मांग

हालांकि, लोगों की यह भी मांग की है अब भी समय है इसे तोड़ने की बजाय इसका जीर्णोद्धार करना चाहिए। यह एक तरफ जहां कई लोगों का बसेरा है, तो दूसरी ओर यह बोकारो की ऐतिहासिक धरोहर है, जिसके बचाया जा सकता है। लोगों ने यह भी सवाल उठाया है कि हवाई अड्डा के नाम पर सिर्फ एलोरा हॉस्टल को ही क्यों ध्वस्त किया जा रहा है, इससे ठीक सटे एमडी बंगला को क्यों नहीं? स्व. रामस्वरूप सिंह के पौत्र अंकित ने भी इसे बचाए रखने का आग्रह प्रबंधन से किया। बहरहाल, अब अंततः क्या होता है, यह तो आने वाला समय ही बताएगा, फिलहाल इसे लेकर शहर में चर्चा का बाजार गर्म है।

लोगों ने विधायक से लगाई मदद की गुहार

एलोरा हॉस्टल में रह रहे लोगों ने कार्रवाई रोकने की मांग को लेकर बोकारो विधायक बिरंची नारायण के आवास पहुंचकर मदद की गुहार लगाई। इस दौरान लोगों ने विधायक से कार्रवाई रोकते हुए आवास उपलब्ध कराने की मांग की। इस पर विधायक ने कहा कि बरसात का मौसम आ रहा है, ऐसे में इस तरह की कार्रवाई रुकनी चाहिए। इसके लिए उन्होंने जिला प्रशासन और बीएसएल के अधिकारियों से बात भी की।

बोले विधायक- प्रबंधन की कार्रवाई अनुचित

विधायक बिरंची नारायण का कहना है कि प्रबंधन की यह कार्रवाई कहीं से उचित नहीं है। वहीं लोगों का कहना है कि रिटायर कर्मियों को आवास उपलब्ध कराया गया था। एचएससीएल ने आश्वासन दिया था कि जब कभी इन आवासों से उन्हें बेदखल किया जाएगा, उन्हें आवास उपलब्ध कराया जाएगा। इसको लेकर एचएससीएल के रिटायर्ड कर्मी हाईकोर्ट की शरण में जाने की बात कही।

सैकड़ों पेड़ चढ़ गए 'विकास' की बलिवेदी पर

इसकी हरियाली तो उसी समय उजड़ गई जब सड़क चौड़ीकरण और हवाई अड्डा विस्तारीकरण के नाम पर यहां के सैकड़ों पेड़ों की बलि चढ़ा दी गई। रही-सही कसर चोरों ने पूरी कर दी और अब यह पुरानी विरासत जमींदोज होने को है। वैसे, बोकारो में व्यावसायिक उड़ान की मांग भी काफी पुरानी है, जो पिछले लगभग डेढ़ दशक से इंतजार के रूप में ही है। काम तो काफी आगे बढ़ चुका है और यही कारण है कि प्रबंधन हवाई अड्डा के रन-वे से सटे इलाकों को एहतियातन अवरोधमुक्त कर रहा है।

प्रोत्साहन डीपीएस बोकारो में मेधा सम्मान समारोह आयोजित, 144 पुरस्कृत

बच्चों के परिश्रम और अभिभावकों के त्याग का परिणाम है सफलता : डीआईजी सिंह

संवाददाता

बोकारो : पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा से विद्यालय, राज्य व देश का नाम रोशन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से डीपीएस बोकारो में मेधा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में शैक्षिक सत्र 2023-24 के दौरान 10वीं एवं 12वीं के टॉपरों के साथ-साथ विभिन्न विषयों में शत-प्रतिशत अंक पाने वाले तथा समूहवार खेलकूद, वाक्-पटुता, पठन-दक्षता, लेखन, कला-संगीत, कंप्यूटर साइंस, पर्यावरण-मैत्री, क्विज, छायांकन, नृत्य, अनुशासन व अन्य क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ रहे कुल 144 छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा, उक्त सत्र के छात्र परिषद के हेड बॉय व हेड गर्ल को भी सम्मानित किया गया।

समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सीआरपीएफ बोकारो रेंज के उप-महानिरीक्षक (परिचालन) ब्रजेश सिंह अपनी सहधर्मिणी मंजू सिंह के साथ उपस्थित थे। अपने संबोधन में श्री सिंह ने सम्मानित किए गए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता एक दिन का प्रयास नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सतत कठिन परिश्रम, समर्पण, उनकी लगन व निरंतरता तथा उनके अभिभावकों के त्याग का परिणाम है। यह प्रयास आगे भी जारी रहे, क्योंकि आनेवाले समय में अभी और चुनौतियां आएंगी, जिसे समझना होगा।

उन्होंने उपलब्धियों के लिए डीपीएस बोकारो परिवार को बधाई देते हुए यहां आना अपने लिए गर्व का विषय बताया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने डीपीएस बोकारो की शैक्षिक एवं सह-शैक्षिक उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए मेधा सम्मान समारोह के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विद्यालय हर बच्चे की प्रतिभा को निखारने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने बच्चों से सकारात्मक परिवर्तन का वाहक बनने का आह्वान किया। समारोह में छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मनोहारी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केन्द्र रहीं। इस क्रम में विद्यालय के जमुना सदन को बेस्ट हाउस का पुरस्कार मिला।

प्रोत्साहन देती है प्रेरणा : नारंग

संवाददाता

बोकारो : रोटरी क्लब चास का वार्षिक अवॉर्ड फंक्शन रोटरी भवन चीरा चास में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्लब के सदस्यों को उनके साल भर के कार्यों का मूल्यांकन करते हुए पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मनप्रीत कौर ने एक पौधा भेंटकर मुख्य अतिथि अन्नू नारंग का स्वागत किया।

रोटरी क्लब चास की अध्यक्ष पूजा बैद ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि पुरस्कार या सम्मान से व्यक्ति की कार्य क्षमता बढ़ती है, साथ ही उनका आत्मविश्वास तथा मनोबल भी बढ़ता है। डॉ सुमन ने भी अपने विचार व्यक्त किये। डॉ परिंदा सिंह ने आज के दिन के महत्व पर प्रकाश डाला। पूर्व जिलापाल महेश केजरीवाल ने रोटरी के उद्देश्य एवं सेवा कार्यों को विस्तार पूर्वक बताया। 100% उपस्थिति, सक्रिय भागीदारी, बेस्ट फैलोशिप के अलावा विशिष्ट पुरस्कार की श्रेणी में डॉ श्रवण, डिंपल कौर, संजय बैद, डॉ सुमन कुमार, नरेंद्र सिंह, कुमार अमरदीप, विनोद चोपड़ा, मंजीत सिंह, मुकेश अग्रवाल, माधुरी सिंह, विपिन अग्रवाल को मुख्य अतिथि अन्नू नारंग के हाथों पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

डिंपल कौर को स्टार रोटेरियन ऑफ द ईयर से पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि रोटेरियन अन्नू नारंग ने अपने संबोधन ने कहा कि सदस्यों के महत्वपूर्ण योगदान और उपलब्धियों की सराहना होनी चाहिए। इससे प्रेरणा मिलती है। ललिता चोपड़ा ने एक स्मृति चिन्ह मुख्य अतिथि को भेंट किया। मंच का संचालन श्वेता रस्तोगी ने किया। जबकि, संजय बैद ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

स्वच्छ, समावेशी और त्रुटिरहित मतदाता सूची जरूरी : उपायुक्त

जिले में 20 अगस्त को होगा वोटर लिस्ट का अंतिम प्रकाशन

संवाददाता
बोकारो : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त विजया जाधव ने कहा कि स्वच्छ, समावेशी एवं त्रुटिरहित निर्वाचक सूची निर्माण के लिए सभी पात्र नागरिकों का निबंधन एवं मतदाता सूची का शुद्धिकरण किया जाना आवश्यक है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिनांक 01.07.2024 को अर्हता तिथि मानते हुए फोटोयुक्त निर्वाचक सूची का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम का निर्धारण किया गया है। प्राप्त कार्यक्रम के अनुसार पुनरीक्षण कार्यक्रम में दो चरण यथा पुनरीक्षण पूर्व गतिविधियां एवं पुनरावृत्ति गतिविधियां शामिल हैं। प्री-रिवीजन गतिविधियों के लिए दिनांक 25.06.2024 से 24.07.2024 तक की अवधि निर्धारित है। जबकि, रिविजन गतिविधियों के लिए दिनांक 25.07.2024 से दिनांक 20.08.2024 तक की अवधि निर्धारित है। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत दिनांक 25.07.2024 को एकीकृत मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन एवं दिनांक 20.08.2024 को निर्वाचक सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। जिला समाहरणालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने ये बातें कहीं।

उन्होंने बताया कि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान 01 जुलाई 2024 को अहर्ता तिथि मानते हुए 18 वर्ष पूरे करने वाले नए मतदाताओं को मतदाता सूची से जोड़ने का कार्य किया जाएगा। साथ ही शिफ्टेड, डुप्लीकेट और मृत मतदाताओं का सत्यापन करते हुए मतदाता सूची से उनके नाम का विलोपन नियमानुसार सुनिश्चित किया जाएगा। इसके लिए बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) हाउस टू हाउस सर्वे आगामी 24 जुलाई तक करेंगे। इस दौरान वह पोलिंग स्टेशनों (मतदान केंद्रों) के रेशनलाइजेशन एवं पुर्ननिर्धारण को लेकर प्रस्ताव तैयार करेंगे। मतदाता सूची प्रारुप का प्रकाशन 25 जुलाई, दावा और आपत्ति दाखिल करने की तिथि 25 जुलाई से 09 अगस्त तथा दावों और आपत्तियों का निपटारा 19 अगस्त को किया जावेगा। साथ ही सूची का अंतिम प्रकाशन 20 अगस्त को किया जायेगा। डीसी ने कहा कि आयोग के निदेर्शानुसार चार विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। प्रेसवार्ता में डीसी के साथ मुख्य रूप से अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी साकेत कुमार पांडेय, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार, नोडल पदाधिकारी पंकज दूबे उपस्थित थे।

प्रभारी प्रधानाध्यापकों का वेतन स्थगित रखने पर रोष

बोकारो : झारखंड +2 शिक्षक संघ की बोकारो इकाई की बैठक जिलाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में संघ के सचिव डॉ अवनीश कुमार झा, संरक्षक डॉ अजय कुमार पाठक, उपाध्यक्ष दीपा पंकज लाटा, डॉ शशिकांत पांडेय, इर्वि रानी, कौशल कुमार मुखर्जी, कोषाध्यक्ष राजदेव साहू, संयुक्त सचिव डॉ शक्ति पद महतो आदि ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में जिले के टीजीटी शिक्षकों और प्रभारी प्रधानाध्यापकों का लगभग तीन माह से वेतन स्थगित होने पर रोष जताया गया और जल्द बहाल करने की मांग की गई। इसके साथ ही बैठक में महीने में दो शनिवार को विद्यालय बंद रखने, शिक्षकों का प्रमोशन प्रत्येक 10 वर्ष किये जाने, सत्र 2024- 25 के लिए संघ की सदस्यता अभियान तेज करने तथा एनएमओपीएस के जिला अध्यक्ष के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

अमृत भारत योजना बनेंगे दो नए प्लेटफॉर्म, महाप्रबंधक ने कार्यों का लिया जायजा

बदल रही बोकारो रेलवे स्टेशन की सूरत

संवाददाता
बोकारो : दक्षिण-पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्र ने बोकारो स्टील सिटी रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत योजना के तहत चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया। इसके तहत स्टेशन की सूरत बदली जा रही है। निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक ने कहा कि बोकारो रेलवे स्टेशन पर दो नए प्लेटफार्म का निर्माण होगा। अमृत भारत योजना के तहत 100 करोड़ रुपए की लागत से स्टेशन भवन सहित बोकारो रेलवे स्टेशन का कायाकल्प किया जाएगा। यात्री सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि 12 मीटर चौड़े फुटओवर ब्रिज का निर्माण जल्द ही किया जाएगा। आरओएच डिपो में कार्यरत कर्मचारियों को मालगाड़ियों की शंटिंग में और ड्यूटी आने-जाने में हो रही परेशानी के लिए वैकल्पिक व्यवस्था पर भी विचार किया जाएगा।

कर्मियों को किया प्रोत्साहित

इस दौरान जीएम श्री मिश्र ने निरीक्षण के दौरान बेहतर टीम वर्क के लिए कर्मियों को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। सबसे पहले उन्होंने बोकारो लोको इलेक्ट्रिक शेड का निरीक्षण किया। जहां बेहतर कार्य के लिए 30 हजार रुपए नगद राशि देकर पूरी टीम को पुरस्कृत किया। वहीं, इस्पात नगर इलेक्ट्रिक शेड को 20 हजार रुपए पुरस्कार दिया। इसके अलावा आरओएच डिपो को 20 हजार रुपए देकर कर्मचारियों का हौसला बढ़ाया।

दक्षिण-पूर्व रेलवे जोन में बोकारो रेलवे स्टेशन महत्वपूर्ण

जीएम श्री मिश्र ने कहा कि दक्षिण-पूर्व रेलवे जोन में बोकारो रेलवे स्टेशन का महत्वपूर्ण स्थान है। एम्प्टी यार्ड का डेवलपमेंट और विस्तार कार्य चल रहा है। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक शेड और इस्पात नगर रेलवे स्टेशन में भी डेवलपमेंट कार्य तेजी से किया जा रहा है। वहीं, रांची-बोकारो मेन लाइन के बगल में स्थित गुड्स शेड में चल रहे क्रेशर मशीन पर रोक लगाने की बात कही। कहा कि मेन लाइन को किसी प्रकार का डिस्टर्ब ना हो, इसका पूरा ख्याल रखा जाए।

हफ्ते की हलचल

निदेशक प्रभारी ने सुरक्षा पहलुओं का लिया जायजा

बोकारो : बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी ने संयंत्र के हॉट स्ट्रिप मिल विभाग में सेफ्टी वॉक कर सुरक्षा पहलुओं का जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन एवं अतिरिक्त प्रभार- संकार्य) राजन प्रसाद, निदेशक प्रभारी कार्यालय के मुख्य महाप्रबंधक (तकनीकी) एल दास, मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा) बीके सरतापे सहित हॉट स्ट्रिप मिल विभाग के वरीय अधिकारी उपस्थित थे। निदेशक प्रभारी श्री तिवारी ने सेफ्टी वॉक के दौरान हॉट स्ट्रिप मिल विभाग के अधिकारियों और कर्मियों से सुरक्षा पहलुओं पर चर्चा की तथा उन्हें पीपीई के इस्तेमाल और सुरक्षा नियमों के अनुपालन का निर्देश दिया। निदेशक प्रभारी ने शॉप फ्लोर में बेहतर हाउस कीपिंग पर भी बल दिया तथा सुरक्षा पहलुओं को और पुख्ता बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

महिला समिति ने जैविक उद्यान में दिया वाटर कूलर

बोकारो : महिला समिति, बोकारो की अध्यक्षा अनीता तिवारी ने नगर के सेक्टर-4 स्थित जवाहर लाल नेहरू जैविक उद्यान (जगन्नाथ मंदिर के समीप) में वाटर कूलर का शुभारंभ किया। इस व्यवस्था से आम जनता को 24 घंटे स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो पाएगा। उद्यान में आने-जाने वाले दर्शनार्थी भी इसका लाभ ले पाएंगे। महिला समिति, बोकारो द्वारा समाज सेवा की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इस मौके पर समिति की उपाध्यक्ष प्रीति शरण, मोनिका रंगानी, निशा श्रीवास्तव तथा इति रथ व समिति की सचिव वंदना झा, उपसचिव ऋचा प्रियदर्शिनी, कोषाध्यक्ष रीता रानी, सांस्कृतिक सचिव श्वेता कुमार, सुरभि प्रभारी अभिरुचि प्रिया, साबुन व सैनिटरी प्रभारी पुष्पा भारतीय, अनिशा झा, नीतू सुनीत, प्रीति राजेश, जया मधुलिका, आशा राज, समिता मोहंती आदि मौजूद थीं।

बीएसएल में सैकड़ों अधिकारियों को प्रोन्नति

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट में सहायक प्रबंधक, प्रबंधक, परामर्शदाता और वरीय प्रबंधक स्तर के सैकड़ों अधिकारियों को प्रोन्नति दी गई है। डीजीएम को जीएम, सहायक प्रबंधक को प्रबंधक, प्रबंधक को वरीय प्रबंधक, परामर्शदाता को वरीय परामर्शदाता, वरीय प्रबंधक को सहायक महाप्रबंधक तथा वरीय परामर्शदाता को मुख्य परामर्शदाता के रूप में प्रोन्नति मिला है। यह प्रोन्नति 30 जून 2024 से प्रभावी हो चुकी है। इस प्रोन्नति में बोकारो स्टील ऑफिसर्स एसोसिएशन के महासचिव अजय कुमार पांडेय वरीय प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) से सहायक महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) के रूप में प्रोन्नत किए गए हैं। श्री पांडेय को अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी ने प्रोन्नति पत्र प्रदान किया। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने उनके साथ-साथ प्रोन्नति किए गए सभी अफसरों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। इसके साथ ही 770 अनाधिशासी कर्मचारियों को भी प्रमोशन दिया गया है।

अशोक बने झापीपा के केंद्रीय सचिव

बोकारो : झारखंड पीपुल्स पार्टी को झारखंड में सशक्त बनाने और ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन झारखंड को पुनः एक बार पुनर्गठित करने, भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन जारी रखने के लिए विधानसभा अतिथि भवन, रांची में झारखंड पीपुल्स पार्टी की अहम बैठक हुई। बैठक में आजसू संस्थापक और पार्टी सुप्रीमो सूर्य सिंह बेसरा की अध्यक्षता में अशोक अग्रवाल 'आजाद' को केंद्रीय सचिव की जिम्मेदारी दी गई। आजाद ने पार्टी -संगठन को मजबूत बनाने और भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन जारी रखने का आश्वासन दिया और केंद्रीय सचिव बनाए जाने पर बेसराजी और केंद्रीय समिति के सदस्यों को धन्यवाद दिया।

बिहार में ध्वस्त होते भ्रष्टाचार के सेतु

धांधली... लगातार ध्वस्त हो रहे पुल

विशेष संवाददाता

पटना : बिहार में पुल निर्माण की आड़ में किस कदर करोड़ों-अरबों के वारे-न्यारे किए गए और किस प्रकार निर्माण-कार्य में धांधली बरती गई, इसकी बानगी आए दिन देखने को मिल रही है। भ्रष्टाचार के इन सेतुओं का गिरना लगातार जारी है। राज्य के विभिन्न जिलों में पुल धराशायी हो रहे हैं। गनीमत है कि पुल निर्माण के दौरान ही गिर रहे हैं। अगर बन गए होते और उस पर आवाजाही हो रही होती, उस समय ऐसी घटना होती तो न जाने कई जानें चली जातीं। बीते हफ्ते ही मधुबनी के मधेपुर प्रखंड में भुतही नदी पर निमार्णाधीन पुल का गार्डर गिर गिया। पिछले एक पखवाड़े के भीतर दिन के अंदर पुल से जुड़ा ये पांचवा मामला है। ग्रामीण कार्य विभाग की ओर से वर्ष 2021 से ही पुल का निर्माण कार्य चल रहा है। पुल गिरने से दो दिन पहले ही गार्डर की ढलाई की गई थी। ढलाई के दो दिन बाद ही ये भरभराकर गिर गई। संयोगवश, इस घटना में किसी के जानी नुकसान की खबर नहीं है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वहां 2.98 करोड़ की लागत से 4 पिलर वाला पुल का निर्माण कराया जा रहा था। बारिश की वजह भुतही बलान नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। घटना की जानकारी मिलने पर संबंधित अभियंताओं व अधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। अधिकारियों का कहना है कि गार्डर की ढलाई करने के बाद नदी के जलस्तर में अचानक वृद्धि हो गई, जिस कारण इसमें लगे शेटरिंग पानी के तेज बहाव में बह गया और गार्डर गिर गया। जलस्तर में कमी आने पर नए सिरे से गार्डर का निर्माण कार्य किया जाएगा। इस संबंध में संवेदिक को जरूरी दिशा-निर्देश दिया गया है।

किशनगंज- पुल का पिलर धंसा

मधुबनी से पहले बीते 27 जून को किशनगंज के बहादुरगंज प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत डूबाडांगी गांव के समीप से होकर बहने वाली कनकई नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया था। इस कारण नदी में बना पुल का पाया धंस गया। उक्त पुल का निर्माण करीब 6 साल पहले किया गया था। जानकारी के मुताबिक मरिया नदी के जलस्तर में इजाफा होने से पुल का पाया धंस गया था।

मोतिहारी - ढलाई के अगले ही दिन पुल ध्वस्त

अररिया और सीवान के बाद 23 जून को मोतिहारी में पुल ढलाई के एक दिन बाद ही ध्वस्त हो गया था। 22 जून शनिवार को पुल का ढलाई हुआ था, जो रात में ही अचानक भड़भड़ाकर गिर गया। इस पर ग्रामीणों की नजर पड़ और उसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

सीवान- गंडक नहर में समा गया पुल

22 जून को सीवान के महाराजगंज अनुमंडल के पटेढ़ा और गरौली गांव के बीच गंडक नहर पर बना पुल अचानक टूट गया। एक पिलर के धंसते ही पुल भड़भड़कर नहर में समा गया। बता दें कि हादसे का लाइव वीडियो भी सामने आया था, जिसमें साफ दिख रहा है कि पिलर अपनी जगह से खिसकता है, धीरे-धीरे पुल धराशायी हो जाता है। पुल के टूटने से दो गांव के बीच का आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया था।

अररिया - उद्घाटन से पहले गिर गया पुल

मधुबनी से पहले 18 जून को अररिया के सिकटी में बकरा नदी पर बना पुल नदी में समा गया। इस पुल को उद्घाटन का इंतजार था। पुल 12 करोड़ रुपए की लागत से बना था। पिछले 13 साल में यह पुल तीसरी बार बन रहा था। इस मामले में दो इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया गया था। साथ ही एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करने का निर्देश दिया गया था।

विस चुनाव को लेकर जयराम ने फूंका बिगुल

संवाददाता

रामगढ़ : मायल स्थित उर्दू स्कूल के समीप शनिवार को जेबीकेएसएस का कार्यकर्ता मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जेबीकेएसएस सुप्रीमो जयराम महतो एवं विशिष्ट अतिथि जेबीकेएसएस के केंद्रीय महासचिव फरजान खान, केंद्रीय उपाध्यक्ष संतोष टीडूआर मौजूद थे। मौके पर जेबीकेएसएस सुप्रीमो जयराम महतो ने कहा कि विधानसभा का चुनाव राज्य के मुद्दों पर लड़ेंगे। झारखंड का सबसे ज्वलंत मुद्दा अभी छात्रों की निराशा है। राज्य के छात्रों की जो हताश है वह विधानसभा चुनाव में हमारा एक महत्वपूर्ण मुद्दा होगा। अगर हम सरकार में आते हैं तो हम सबसे पहले होने वाली परीक्षाओं में पारदर्शिता लाएंगे। फ्री एंड फेयर एग्जाम लिए जाएंगे। अगर उसमें कोई गड़बड़ी सामने आती है तो फिर चाहे कोई भी उच्च अधिकारी हो उन्हें बर्खास्त किया जाएगा। उनके साथ किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाएगी। जेबीकेएसएस सुप्रीमो ने आगे कहा कि झारखंड में इस बार बड़ा बदलाव होगा। राज्य के लुटेरों को जवाब मिलेगा। संचालन तनवीर आलम ने किया।

सीतामढ़ी की बेटी ने इंडोनेशिया में बजाया भारत का डंका

सीतामढ़ी : जिले के थुम्मा गांव की बेटी अनुष्का अभिषेक ने अपने देश के साथ-साथ अपने गांव और जिले का नाम गौरवान्वित किया है। बीते 24 जून से 29 जून तक इंडोनेशिया में आयोजित 5वें एशियन सवात फ्रेंचबॉक्सिंग चैम्पियनशिप में थुम्मा गांव निवासी अन्नू अभिषेक की होनहार पुत्री भारतीय खिलाड़ी अनुष्का अभिषेक ने अंडर-14 कैडेट बालिका वर्ग +30 किलो सेमीफाइनल राउंड में इंडोनेसियन बॉक्सर को हराकर सिल्वर मेडल भारत के नाम किया। बता दें कि इंडोनेशिया में हुई पांचवीं एशियन सवात (फ्रेंच बॉक्सिंग) चैंपियनशिप में भारतीय टीम में शामिल अनुष्का अभिषेक ने कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। अनुष्का चैम्पियनशिप में एशियन देश भारत, नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, ईरान, जापान, चाइना, उज्बेकिस्तान, इंडोनेशियन समेत 16 देशों ने भाग लिया था।

गडकरी से मिले सांसद देवेश, फोरलेन हाईवे बनाने की रखी मांग

सीतामढ़ी : सीतामढ़ी लोकसभा क्षेत्र के सांसद देवेश चन्द्र ठाकुर ने नई

दिल्ली में भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री माननीय नितिन गडकरी से मिलकर यातायात में सुधार की मांग की। हाजीपुर से मुजफ्फरपुर होते हुए सीतामढ़ी- सोनबरसा नेपाल बॉर्डर तक का पथ जो अभी दो लेन का हाईवे बना हुआ है, उस मार्ग पर परिचालन होने वाले वाहनों की संख्या में भारी वृद्धि को देखते हुए 4 लेन हाईवे बनाने के लिए उन्होंने श्री गडकरी को एक ज्ञापन सौंपा। श्री ठाकुर के अनुसार, श्री गडकरी ने शीघ्र ही अपने विभाग के आला अधिकारियों से इस विषय पर बैठक बुलाकर चर्चा शुरू करने का आश्वासन दिया।

जीवन एक युद्ध- शौर्य के साथ प्राप्त करें सफलता

गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

नामिषेको न संस्कारः सिंहस्य क्रियते वने
विक्रमर्जितसत्त्वस्य स्वयमेव मृगेन्द्रता

सिंह को जंगल का राजा नियुक्त करने के लिए ना तो कोई अभिषेक किया जाता है, ना कोई संस्कार। अपने गुण और पराक्रम से वह स्वयं ही जंगल के राजा के पद को प्राप्त कर लेता है। यह जीवन एक युद्ध है। बाधाएं और समस्याएं आपको निरंतर घेरती रहती हैं। उन बाधाओं पर विजय प्राप्त करने के लिए पराक्रम अति आवश्यक है। पराक्रमी व्यक्ति में प्रत्येक परिस्थिति में विजयी होने की तीव्र ललक होती है। पराक्रमि व्यक्ति साहसी होता है, शौर्य से ओत-प्रोत होता है और वह नासमझ नहीं होता।

वह परिस्थितियों का उचित रूप से आकलन कर उसके अनुरूप क्रिया करता है। आप इस बात को भलीभांति गांठ बांध लें, शरीर का बल पराक्रम हेतु आवश्यक है, परंतु अनिवार्य नहीं। बिना मानसिक रूप से सबल और दृढ़ हुए आपमें पराक्रम का उदय नहीं होगा।

क्या पराक्रम साहस से भिन्न है?

पहली बात, साहस सबमें है, लेकिन बचपन से हमें उसका उपयोग करने की स्वतंत्रता नहीं होती है। सारा समाज आपको कायर बनाने में ही लगा रहता है, जिससे आपके ऊपर अपना शासन स्थापित कर सके। सिर्फ गुरु ही आपको साहसी बनाना चाहते हैं। आप पर आपका शासन स्थापित करना चाहते हैं, जिसके बाद आपमें पराक्रम का भाव जगता है। पराक्रम का अर्थ है एक या एक से अधिक व्यक्तियों में प्रतिस्पर्धा होने पर अपने लिए विजय सुनिश्चित करना। इसमें चातुर्य, सूझ-बूझ और और शौर्य बल का विविध अनुपातों में समन्वय होता है। पराक्रम साधक के लिए अति आवश्यक तत्व है। साधना का मार्ग श्रमसाध्य और दुष्कर है। बिना पराक्रम के आप अपने भय पर कैसे विजय पाएंगे और अगर आपने अपने भय, आशंकाओं और प्रश्नों को मात नहीं दी तो सफल कैसे होंगे? जब आपने पराक्रम जागृत होता है, तब कतिपय व्याधियों का स्वतः अन्त हो जाता है। ये व्याधियां पीड़ा, निराशा, शरीर कंपन, लय-ताल विहीन श्वासोच्छवास है, जो मानसिक उपद्रव के लक्षण हैं।

बहुधा लोग पराक्रम, अनियंत्रित क्रोधजनित ऊर्जा को समझ लेते हैं, पर यह समझ गलत है। पराक्रमी का ध्यान लक्ष्य पर केंद्रित होता है और उसके मस्तिष्क में योजनाएं बन रही होती हैं, उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए। ऐसा नहीं है कि पराक्रमी आवेश में अपनी बात सिद्ध करने के लिए चलती ट्रेन के सामने खड़ा हो जाएगा- उसे बेवकूफी ही कहा जाएगा।

पराक्रम के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा भय है। भय हमेशा विपरीत परिस्थितियों या समस्याओं से लगता है। भय का खरा खरा मूल्यांकन करना आवश्यक है। समय एक प्रवाह है। जो क्षण बीत गया, वह कल लौट कर कदापि नहीं आएगा। इसलिए समस्याओं को चुनौती समझें और उन्हें सुलझाने का प्रयास करें, क्योंकि उनका हल उन्हीं में निहित है।

कैसे हों भय-मुक्त?

भय-मुक्त होने के लिए आवश्यक है कि आप अपने भय से अवगत हों। जब तक आप अपने भय के कारणों को जानेंगे नहीं, आप उनका निवारण कैसे करेंगे?

क्या है आपका भय?

शान्त मन से अपने जीवन की समस्त आशंकाओं एवं भय को लिखें। ऐसा करते समय आपको थोड़ा अजीब लगेगा, पर भय का आकलन अवश्य करें।

क्यों है आपको भय?

फिर जाने क्यों लगता है आपको भय? क्या कोई विगत अनुभव आपको डरा रहा है? आखिर क्यों अनुभव करते हैं आप निराशा?

निहित शौर्य को पहचानें

साहस मनुष्य का आंतरिक गुण है। आपको अपने अन्तर में स्थित शौर्य के तेज को पहचानने की आवश्यकता है।

ध्यान और साधना करें

साधना, ध्यान एवं मंत्र-जप आपके जीवन में संतुलन स्थापित करने के लिए आवश्यक है। शान्त मन से जब आप समस्याओं का आकलन करते हैं, तब आपके समक्ष कई संभावनाएं स्वतः खुल जाती हैं।

प्रकृति में मत्स्य न्याय का सिद्धांत आदिकाल से कार्य कर रहा है। बड़ी मछली छोटी मछली को निकल जाती है। यह जीवन का एक स्वीकृत तथ्य है कि प्रत्येक मनुष्य में वही व्यक्ति जीवित रह सका है, जिसने जीवन में संघर्ष किया है। जीवन संघर्षों का एक अविराम क्रम होता है तथा इसमें जो क्षण भर के लिए चूका, वह इस जीवन में पराजित हो जाता है। वह जीवन ही क्या, जिसकी प्राण शक्ति का हनन किया जा चुका हो, क्योंकि यह आवश्यक नहीं कि जीवित रहते हुए भी वह जीवित व्यक्तियों की श्रेणी में हो। केवल श्वास-प्रश्वास के चलते रहने को ही तो जीवन नहीं कहा जा सकता।

पराक्रम ही जीवन है। मुश्किलें सिर्फ बेहतरीन लोगों के हिस्से में आती हैं, क्योंकि वे लोग ही मुश्किलें बेहतरीन तरीके से सुलझा समझा पाते हैं।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

गुणों की खान है तुलसी, जानिए इसके चमत्कारी फायदे

भारतीय परंपरा में तुलसी को मां का रूप माना जाता है। हर शुभ काम में तुलसीदल का प्रयोग किया जाता है, हर भोग के लिए तुलसीदल डाले जाते हैं। तुलसी दल पूजा के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए भी बहुत उपयोगी है। तुलसी में विटामिन ए पाया जाता है जो शरीर में फ्री रेडिकल्स का प्रभाव कम करता है। इसके अतिरिक्त तुलसी के मैग्नीशियम, आयरन, कैल्शियम, पोटेशियम और विटामिन सी भी पाया जाता है। मैग्नीशियम से हार्ट में रक्त संचार बढ़ता है। आइए जानें तुलसी के अन्य गुणों को:-

बुखार में लाभप्रद : तुलसी के पत्तों को उबालकर काढ़ा बना कर पीने से बुखार कम होता है। मलेरिया और डेंगू बुखार में भी यह काढ़ा लाभ पहुंचाता हैं।

कोलेस्ट्रोल भी करता है कम : अगर आपका कोलेस्ट्राल ज्यादा है, तो प्रातः शाम 10 से 12 तुलसी की पत्तियों का सेवन कुछ दिनों तक लगातार करते रहने से कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम हो जाता है।

खांसी जुकाम में भी मिलता है लाभ : अगर प्रातःकाल नियमित रूप से 4 से 5 तुलसी दलों का सेवन किया जाए तो आप स्वयं को खांसी-जुकाम से बचा सकते हैं। अगर खांसी-जुकाम की शुरूआत हो गई है तो तुलसी की चाय का सेवन करें।

श्वांस संबंधी समस्या में भी : तुलसी की पत्तियों का काढ़ा अदरक और शहद के साथ लेने से श्वांस संबंधी समस्या में लाभ मिलता है। अगर फ्लू हो गया हो तो आधे लिटर पानी में तुलसी की पत्तियां, 2 लौंग व चुटकी भर नमक डालकर काढ़ा बनाएं। जब पानी आधा रह जाए तो गुनगुना कर दिन में दो से तीन बार पिएं।

गले में खराश : गले में खराश होने पर आधे लीटर पानी में 2 बड़े चम्मच तुलसी के पत्तों को धीमी आंच पर पकाएं। अधिक देर तक न पकाएं। 5 से 4 मिनट तक पका कर गुनगुना पी लें। गरारे भी कर सकते हैं।

किडनी स्टोन में भी लाभप्रद : किडनी स्टोन के शुरुआती समय से ही 6 महीने तक तुलसी की पत्तियों का रस शहद के साथ लेते रहने से लाभ मिलता है।

अन्य लाभ भी : तुलसी की पत्तियों को धूप में सुखा कर पाउडर बनाएं। थोड़ा सा सरसों का तेल मिला कर पेस्ट बनाएं और पेस्ट से दांत साफ करें। इस पेस्ट से पायरिया या सांस की बदबू दूर होती है। शरीर से आने वाली दुर्गन्ध दूर करने के लिए एक माह तक 15 से 20 पत्तियां प्रातः खाकर पानी पी लें। समस्या से पूरी तरह निबटने के लिए एक माह से ज्यादा भी खानी पड़ सकती है। चेहरे पर काले दाग धब्बे दूर करने हेतु तुलसी की पत्ती के रस में नींबू का रस मिला कर चेहरे लगाने से उनसे छुटकारा मिलेगा और चेहरा सुंदर लगेगा। जोड़ों के दर्द में भी तुलसी की पत्तियों का काढ़ा लाभप्रद होता है। घर पर दो-तीन गमलों में तुलसी लगाएं, नियमित प्रातः जल दें और दीया जलाएं, ताकि तुलसी फलती फूलती रहे।

– प्रस्तुति : शशि

राजभाषा सशक्तीकरण को आगे आया डीवीसी

हिन्दी को बढ़ावा देना जरूरी : परियोजना प्रधान

संवाददाता

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के विद्युत ताप केन्द्र के तकनीकी भवन में डीवीसी अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए एक-दिवसीय राजभाषा कार्यशाला का आयोजन गुरुवार को किया गया। कार्यक्रम का दीप जलाकर उद्घाटन डीवीसी के वरीय महाप्रबंधक सह परियोजना प्रधान सह आनंद मोहन प्रसाद, महाप्रबंधक ओएंडएम एस. भट्टाचार्य, उपमहाप्रबंधक बीजी होलकर, नरेश मुरास्कर, अखिलेन्दु सिंह, शैलेश कुमार, कार्यशाला में आमंत्रित वक्ता डॉ. संजय जायसवाल, प्रो. विद्यासागर विश्वविद्यालय, मिदनापुर, पश्चिम बंगाल के डॉ मधु सिंह, प्रोफेसर, खुदीराम बोस सेंट्रल कॉलेज, कोलकाता के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। परियोजना प्रधान द्वारा आमंत्रित वक्ताओं को संजीवनी पौधा एवं अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

बीजी होलकर ने सभी अधिकारी एवं कर्मचारी का स्वागत करते हुए राजभाषा के अधिक से अधिक उपयोग पर जोर दिया। परियोजना प्रधान श्री प्रसाद ने राजभाषा कार्यशाला पर कहा कि हम सभी को अपने प्रतिदिन के कार्यालयीन कार्यो में हिंदी को बढ़ावा देना होगा तभी राजभाषा का सही विकास एवं प्रसार होगा। आमंत्रित वक्ता डॉ. संजय जायसवाल ने हिंदी भाषा की सहजता एवं सरलता के बारे में बताया एवं साथ ही साथ स्वयं द्वारा रचित कुछ कविताएं भी सुनाई। डॉ मधु सिंह द्वारा हिदीं भाषा के वैश्वीकरण के बारे में बताया गया। उन्होंने बताया कि हमारी हिंदी भाषा न सिर्फ भारत में, बल्कि विश्व के कई देशों में बोली व समझी जाती है।

उन्होंने यह भी कहा कि हमारी हिंदी फिल्मों द्वारा भी विश्वभर में हिंदी का विकास एवं प्रसार होता है। कार्यक्रम में मानव संसाधन विभाग की प्रबंधक अंजू बोपाई, उप प्रबंधक तनीषा सिल्वी, सहायक प्रबंधक अनुराग सिन्हा एवं अविनाश कुमार सिन्हा, शैलेन्द्र कुमार,सुरजीत सिंह, उपप्रबंधक (सतर्कता) तारीक सईद, प्रबंधक (वित्त) एमके चौधरी, एसके ओझा, दीनानाथ शर्मा, संजय राय, मनोज सिंह, केरल टुडू, वेणुधर बेहरा, शाहिद इकराम इत्यादि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन हिंदी अधिकारी रवि सिन्हा द्वारा किया गया।

हिन्दी का सम्मान बनाए रखना हम सभी का दायित्व : ठाकुर

चंद्रपुरा : दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केन्द्र के तेजस भवन में एकदिवसीय राजभाषा कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्घाटन वरिष्ठ महाप्रबंधक सह-परियोजना प्रधान मनोज कुमार ठाकुर सहित डीवीसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने किया। इस अवसर पर श्री ठाकुर ने कहा कि हमारे देश में हिन्दी भाषा सभी भाषाओं की जननी है। हिन्दी भाषा का गौरव और सम्मान बनाए रखना हम सभी का दायित्व है। कोई भी भाषा उस देश की संस्कृति से जुड़ी होती है। हम सभी को प्रण लेना है कि हमारी आने वाली पीढ़ी भी इस भाषा को गौरव प्रदान करती रहे। वरिष्ठ महाप्रबंधक रामप्रवेश साह ने हिन्दी भाषा को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने पर जोर दिया और कहा कि हम सभी को हिन्दी का प्रयोग सभी कार्यों में करने की जरूरत है। समाज और देश की तरक्की के लिए हमें हर हाल में हिन्दी को अपनाना ही होगा। उन्होंने कहा कि कई विकसित राष्ट्रों ने अपनी मातृभाषा को अपनाकर विकसित होने का गौरव प्राप्त किया है। वरिष्ठ महाप्रबंधक मानव संसाधन डी सी पांडेय ने कहा कि हिन्दी का उपयोग कर हम सभी को गौरवान्वित महसूस करने की जरूरत है। महाप्रबंधक पीके मिश्रा ने कहा कि हिन्दी वैज्ञानिक भाषा है। हम सभी को हिन्दी का उपयोग कर सभी कार्यों का निपटारा करना चाहिए। समारोह का संचालन राजभाषा अधिकारी रवि कुमार सिन्हा व संजीव कुमार ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। समारोह को महाप्रबंधक अविजीत घोष, प्रशिक्षक डॉ संजय कुमार जायसवाल, डॉ मधु सिंह, उप महाप्रबंधक (प्रशासन) दिलीप कुमार आदि ने भी संबोधित किया।

टीबी-मुक्त भारत अभियान सफल बनाने को आगे आया ईएसएल स्टील

संवाददाता

बोकारो : वेदांता समूह की कंपनी और भारत की अग्रणी एकीकृत ग्रीनफील्ड स्टील निमार्ता कंपनी ईएसएल स्टील लिमिटेड ने प्रधानमंत्री के टीबी-मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने में आगे हाथ बढ़ाया है। कंपनी ने इस अभियान के तहत तपेदिक रोगियों के बीच पोषण सहायता किट वितरण कार्यक्रम प्रारंभ किया है। कंपनी ने अपने आसपास में सामाजिक कल्याण के लिए अपनी सीएसआर पहलों के माध्यम से लोगों की स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान केंद्रित कर कार्यान्वयन एजेंसी सिटीजन्स फाउंडेशन के सहयोग से चलाये जाने वाले हेल्थकेयर प्रोजेक्ट आरोग्य के तहत सियालजोरी में संयंत्र के पास रहने वाले 100 तपेदिक रोगियों के लिए एक पोषण सहायता किट कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसकी मासिक लागत प्रति व्यक्ति 800 रुपये है। धनडाबर स्थित ईएसएल स्टील लिमिटेड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित प्रोजेक्ट आरोग्य कार्यक्रम में लाभार्थियों को संबोधित करते हुए जिला क्षय रोग अधिकारी, बोकारो डॉ. शेख मोहम्मद जफरुल्लाह ने कहा कि गरीबी, खाद्य असुरक्षा, अल्पपोषण, और भीड़भाड़ तपेदिक (टीबी) के प्रमुख कारक हैं। भारत में कुपोषण इसका प्रमुख कारण है।

योजना के संदर्भ में चर्चा करते हुए डॉ. जफरुल्लाह ने कहा कि सरकार द्वारा राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत एक प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना है, जिसने मरीजों के खाते में एनपीवाई योजना के तहत प्रति माह 500 रुपये डीबीटी के माध्यम से भेजे जाएंगे। ईएसएल स्टील लिमिटेड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित इस कार्यक्रम में जिला पीपीएम नितिन कुमार सिंह, ईएसएल स्टील लिमिटेड के सीएसआर उप प्रमुख राकेश कुमार मिश्रा और सीएचसी चंदनकियारी की डॉ. श्रीमती तृप्ति पांडेय सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम के माध्यम से ईएसएल स्टील लिमिटेड मरीजों को 1.5 किलोग्राम काला चना, 3 किलो चने की दाल, 1 लीटर सरसों का तेल, 1 किलो मूंगफली और 1 किलो गुड़ प्रदान करेगा। यह सहायता चास और चंदनकियारी प्रखंड स्थित गांवों के 100 मरीजों तक हर महीने दी जाएगी। यह 6 महीने का पोषण सहायता कार्यक्रम है, जिसके पहले चरण में मरीजों को एक बार में दो महीने की पोषण सहायता किट दी गई है। शेष 4 माह की किट अगले माह से अगले 4 माह तक दी जाएगी।

ईएसएल के सीएसआर, ईआर और पीआर प्रमुख आशीष रंजन ने कहा कि वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड ने स्वास्थ्य सेवा परियोजना, आरोग्य के माध्यम से तपेदिक रोगियों के लिए एक समर्पित पोषण सहायता पहल के साथ देश के तपेदिक उन्मूलन कार्यक्रम का समर्थन करने का निर्णय लिया है, ताकि हम तपेदिक मुक्त भविष्य का निर्माण कर सकें।

बोकारो के तेजनारायण बने यूपी कबड्डी लीग के टेक्निकल डायरेक्टर

कई राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं को कराया है संपन्न

संवाददाता

बोकारो : कबड्डी के क्षेत्र में इस्पातनगरी बोकारो सहित झारखंड का नाम विश्वपटल पर रोशन करने वाले खिलाड़ी तेजनारायण माधव को एक और बड़ी जिम्मेदारी मिली है। आगामी 11 से 25 जुलाई को आयोजित उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग में उन्हें टेक्निकल डायरेक्टर बनाया गया है। नोएडा के इनडोर स्टेडियम में होनेवाली उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग में कुल आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं। इनमें यमुना योद्धा, नोएडा निन्जा, काशी किंग्स, अवध रामदूत, ब्रज स्टार्स, संगम चैलेंजर्स, अयोध्या वॉरियर्स और गंगा किंग्स ऑफ मिजार्पुर शामिल हैं। प्रतियोगिता का सीधा प्रसारण सोनी चैनल पर किया जाएगा।

बता दें कि तेजनारायण ने प्रो-कबड्डी लीग में टीवी अंपायर के तौर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। खेलो इंडिया 2020 (आसाम) के वह टूर्नामेंट डायरेक्टर भी रह चुके हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की विभिन्न कबड्डी प्रतियोगिताओं में प्रशिक्षण के साथ-साथ तकनीकी पदाधिकारी के रूप में अपने दायित्वों का कुशल निर्वहन किया है। बोकारो के कबड्डी खिलाड़ियों एवं खेलप्रेमियों ने उन्हें यूपीकेएल में तकनीकी निदेशक बनाए जाने पर बधाई देते हुए अपनी शुभकामनाएं दी हैं।

मिथिला वर्णन
हिन्दी साप्ताहिक

देश-विदेश वर्णन

Postal Reg. No.- DNB- 072/2023-25
बोकारो रविवार 30.06.2024
News & E-paper : www.varnanlive.com

हम फिर विश्व-विजेता

आईसीसी वर्ल्ड कप... भारत की विराट विजय, देशभर में हर्ष

ऐतिहासिक कैच ने बना दिया वर्ल्ड चैंपियन

मैच के आखिरी ओवर में सूर्या और पांड्या ने जो कमाल किया, उसने भारत के क्रिकेट प्रेमियों को गौरव से भर डाला। आखिरी ओवर में दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 16 रन की दरकार थी। क्रीज पर विस्फोटक बल्लेबाज मिलर मौजूद थे। गेंदबाजी के लिए कप्तान रोहित शर्मा ने हार्दिक पांड्या को बुलाया। पांड्या की गेंद पर मिलर ने जोरदार शॉट लगाया। लेकिन, बाउंड्री लाइन पर फील्डिंग कर रहे सूर्यकुमार यादव ने जबरदस्त सूझबूझ का परिचय देते हुए शानदार कैच पकड़ा। सूर्य कुमार ने बाउंड्री लाइन के बाहर कैच तो लपक लिया, लेकिन उन्हें इस बात का एहसास हो गया कि वह बाउंड्री लाइन के पार जा रहे हैं। ऐसे में उन्होंने गेंद को बाउंड्री लाइन के अंदर की ओर फेंका और फिर बाउंड्री लाइन से लौटकर मैदान में आकर कैच लपक लिया। सूर्य कुमार के इस बेहतरीन कैच के बाद मिलर को पवेलियन लौटना पड़ा। इसी ओवर में हार्दिक पांड्या ने रबाडा को भी आउट किया। रबाडा का कैच भी सूर्य कुमार ने ही पकड़ा। इस तरह हार्दिक पंड्या ने आखिरी ओवर में महज 8 रन खर्च करके 2 विकेट अपने नाम किए और टीम इंडिया को टी20 का वर्ल्ड चैंपियन बना दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे ऐतिहासिक क्षण करार दिया है। पूरे देश के क्रिकेट-प्रेमियों में हर्ष है।

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : भारत एक बार फिर क्रिकेट का वर्ल्ड चैम्पियन बन गया है। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2024 की ट्रॉफी जीत ली है। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं हारी। यह टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में पहला मौका है जब किसी टीम ने बिना कोई मैच हारे ट्रॉफी जीती है। रोहित सेना ने बारबाडोस की धरती पर झंडा गाड़ दिया। फहरा दिया तिरंगा। 17 साल बाद भारत टी20 विश्व कप में विश्व विजेता बना है। आखिरी ओवर की आखिरी गेंद तक चले रोमांचक की पराकाष्ठा वाले मुकाबले में टीम इंडिया ने वो कर दिखाया, जिसका सपना 140 करोड़ भारतीयों ने दखा था। भारतीय टीम 2007 में एमएस धोनी की कप्तानी में चैंपियन बनी थी। उसके बाद से न जाने किसकी नजर लग गई थी, लेकिन इस बार 2023 में टूटे दिलों को फिर जोड़ दिया। वो करिश्मा कर दिया, जिसकी जरूरत थी। जैसे ही भारत विश्व विजेता बना, भारत में आकाश आतिशबाजियों से रंग गया।

चौथा वर्ल्ड-कप

विदित हो कि यह भारत का चौथा वर्ल्ड कप है और टी-20 वर्ल्ड कप भारत ने दूसरी बार जीता है। पहली बार 2007 में एमएस धोनी की टीम ने भारत को इस फॉर्मेट में वर्ल्ड चैंपियन बनाया था। भारतीय टीम वन डे वर्ल्ड कप भी जीत चुकी है। पहली बार 1983 और दूसरी बार 2011 में।

... और ऐसे छीन लिया जीत का निवाला

आखिरी तीन ओवरों में पलट गया मैच

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच वेस्टइंडीज में बारबाडोस के ब्रिजटाउन स्थित केंसिंग्टन ओवकल में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल मैच के अंतिम ओवर में सूर्य कुमार और हार्दिक पांड्या की जोड़ी ने दक्षिण अफ्रीका के जबड़े से मैच छीन लिया। बैटिंग पिच 177 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम की शुरूआत उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। उसे हेंड्रिक्स के रूप में पहला झटका लगा, जिसे जसप्रीत बुमराह ने अपने अंदाज में 4 रन पर बोल्ड किया। इसके बाद कप्तान एडेन मार्करम को अर्शदीप सिंह ने पंत के हाथों 4 रनों के निजी स्कोर पर लपकवाया। हालांकि, यहां से स्टब्स ने 21 गेंदों में 31 रन की पारी खेलकर टीम को 70 रनों तक पहुंचा दिया। उन्होंने अक्षर पटेल की गेंद पर बोल्ड होने से पहले 3 चौके और एक छक्का मारा। लंबे समय से मैदान पर अड़े क्विंटन डिकॉक को 39 रनों के निजी स्कोर पर अर्शदीप सिंह ने चलता किया, लेकिन इसके बाद जो तूफान आया तो उसे रोक पाना मुश्किल हो गया। हेनरिक्स क्लासेन ने अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को जमकर निशाना बनाया और सिर्फ 23 गेंदों में 2 चौके और 5 छक्के उड़ाते हुए हाफ सेंचुरी पूरी कर डाली। हालांकि, 17वें ओवर में हार्दिक पांड्या ने क्लासेन को आउट कराते हुए मैच में जान डाल दी। इसके बाद अर्शदीप ने कमाल किया तो आखिरी ओवर में हार्दिक पांड्या की गेंद पर सूर्या ने डेविड मिलर का करिश्माई कैच लपका, जो शायद क्रिकेट इतिहास का सबसे मुश्किल कैच है। उपकप्तान हार्दिक ने आखिरी ओवरों में 16 रन बचाते हुए भारत को जीत दिला दी। इससे पूर्व पावरप्ले में मिले शुरूआती झटकों से उबरते हुए विराट कोहली और अक्षर पटेल ने भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 7 विकेट पर 176 रन तक पहुंचाया। भारत ने एक समय पांचवें ओवर में तीन विकेट सिर्फ 34 रन पर गंवा दिए थे। इसके बाद अक्षर (31 गेंद में 47 रन) और कोहली (59 गेंद में 76 रन) ने टीम को संकट से निकाला। दोनों ने चौथे विकेट के लिये 54 गेंद में 72 रन की साझेदारी की। अक्षर दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से रन आउट हो गए।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड द्वारा सम्मानित
विश्व-प्रसिद्ध एक्यूपंक्चर स्पाइन विशेषज्ञ

Dr. Rajendra Kumar Hazra
M.D. Acupuncture, PHD Acupunchure Science
The American University USA (H.C.)
PHD Acupuncture & Spinal Diseases
M.B.I.U, Indore(H.C.)
ETP. MCA. Cama & Albess Hospital (Mumbai)
मिलने का समय : 9 AM TO 2 PM - 4 AM TO 7 PM
केवल पहले एपोईन्टमेन्ट लेने पर ही मरीज देखा जाएगा।
9771830188 / 7903113893

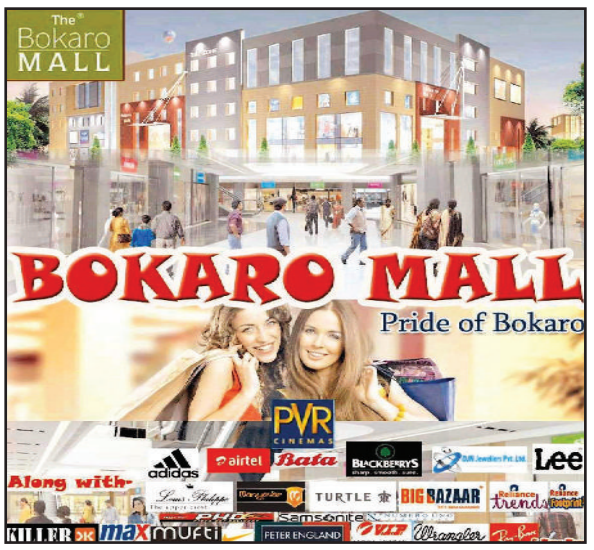

शिवम हॉस्पीटल
मेडिक्लेम कार्ड के द्वारा
मोतियाबिन्द का ऑपरेशन
एवं लेंस लगाया जाता है

E-2, Laxmi Market, Sector-4, B.S. City-827004
Ph No. : 06542-232623, 7488090631

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **कैप्टन संजय,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)